

# अखिल भारतीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी

"जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में  
नाभिकीय एवं अन्य प्रगत प्रौद्योगिकियों की भूमिका"

10-11 जनवरी, 2023

कार्यवाही रिपोर्ट



राजभाषा कार्यान्वयन समिति  
इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र  
कल्पाक्कम, तमिलनाडु- 603 102

## विषय सूची

1.0	प्रस्तावना
2.0	संगोष्ठी का उद्देश्य
3.0	संगोष्ठी परिचय
4.0	आयोजन समिति
5.0	उद्घाटन समारोह
6.0	संगोष्ठी में प्रस्तुत आमंत्रित वार्ताओं एवं मौखिक प्रस्तुतियों का विवरण
6.1	प्रतिभागियों का ब्यौरा
6.1	तकनीकी सत्र -1 दिनांक 10-01-2023 समय 11:00-13:00 बजे
6.2	पोस्टर सत्र- दिनांक 10-01-2023 समय 13:45-15:00 बजे
6.3	तकनीकी सत्र -2 दिनांक 10-01-2023 समय 15:00 -15:55 बजे
6.4	तकनीकी सत्र -3 दिनांक 10-01-2023 समय 16:15-17:20 बजे
6.5	तकनीकी सत्र -4 दिनांक 11-01-2023 समय 09:30-11:00 बजे
6.6	तकनीकी सत्र -5 दिनांक 11-01-2023 समय 11:15-13:00 बजे
6.7	तकनीकी सत्र -6 दिनांक 11-01-2023 समय 13:45-16:00 बजे
7.0	फीडबैक एवं समापन सत्र

### 1.0 प्रस्तावना

इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी) के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में, विश्व हिंदी दिवस-2023 के उपलक्ष्य में भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड, कल्पाक्कम तथा सामान्य सेवा संगठन, कल्पाक्कम के साथ संयुक्त रूप से साराभाई सभागार, होमी भाभा भवन, इंगापअकें में दिनांक 10 एवं 11 जनवरी, 2023 को "जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में नाभिकीय एवं अन्य प्रगत प्रौद्योगिकियों की भूमिका" (Role of Nuclear and other advance technologies for climate change control) विषय पर राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसके लिए देश भर में स्थित परमाणु ऊर्जा विभाग की इकाईयों, प्रमुख वैज्ञानिक एवं अनुसंधान संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिष्ठानों, अखिल भारतीय शैक्षणिक संस्थानों आदि से प्रविष्टियां मंगाई गई तथा अनुसंधानरत वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारियों, शोधार्थियों आदि से इस संगोष्ठी में प्रस्तुति हेतु उक्त विषय के अंतर्गत लेख आमंत्रित किए गए। इस वेब-संगोष्ठी में भाग लेने के लिए कोई पंजीकरण शुल्क नहीं रखा गया था।

### 2.0 संगोष्ठी का उद्देश्य

इस संगोष्ठी का उद्देश्य, विषय संबंधी तकनीकी जानकारी को अद्यतन करना एवं उसका आदान-प्रदान करना तथा अधिकारियों को अपने वैज्ञानिक/तकनीकी लेखों को राजभाषा हिंदी में लिखने के लिए प्रेरित करना

था। हिंदी में तकनीकी ज्ञान का प्रचार-प्रसार एवं केंद्र में राजभाषा संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना भी इस संगोष्ठी का उद्देश्य था।

### 3.0 संगोष्ठी परिचय

भारत में आधुनिक इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों और औद्योगिक प्रक्रियाओं में क्रांति के फलस्वरूप ऊर्जा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं तकनीकी विकास में अद्भुत प्रगति देखने को मिली है। पर्यावरण को हानि पहुँचाये बिना, ऊर्जा के नए विकल्प आज सफल साबित हो रहे हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या को देखते हुए भारत में सैद्धांतिक, कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक दृष्टिकोणों का उपयोग कर जैविक, नवीनीकरणीय, परंपरागत और किफायती ऊर्जा के उत्पादन के विषय में किए जा रहे शोधों का महत्व काफी बढ़ गया है। इस संगोष्ठी का लक्ष्य जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में नाभिकीय एवं अन्या प्रगत प्रौद्योगिकियों से जुड़े अनुसंधान एवं तकनीकी प्रणालियों का विकास और जानकारियों के आदान-प्रदान के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करना था। इस संगोष्ठी में अनुसंधान, उद्योग एवं शैक्षणिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं तकनीकी सत्र शामिल थे। इस संगोष्ठी ने युवा शोधकर्ताओं के लिए विशेषज्ञों से मिलने एवं उनके साथ चर्चा के लिए एक उपयुक्त मंच के रूप में कार्य किया जो उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान एवं तकनीकी के विकास हेतु प्रेरित करेगा।

### 4.0 आयोजन समिति

संगोष्ठी का आयोजन केंद्र के निदेशक एवं राजभाषा कार्यान्वयन समिति (राभाकास) के अध्यक्ष डॉ. बी. वेंकटरामन की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से संपन्न हुआ। श्री के.आर. सेतुरामन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी का बहुमूल्य मार्गदर्शन आयोजन समिति को प्राप्त हुआ। संगोष्ठी की सम्पूर्ण गतिविधियों का नेतृत्व डॉ.बी.के. नशीने, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, ईएसजी ने किया। आयोजन समिति के संयोजक के रूप में डॉ. अवधेश मणि, वैज्ञानिक अधिकारी/एच एवं प्रधान, एलटीएसएस तथा सह-संयोजक के रूप क्रमशः डॉ. वाणी शंकर, वैज्ञानिक अधिकारी/जी, श्री नरेंद्र कुमार कुशवाहा, वैज्ञानिक अधिकारी/जी, एवं श्री प्रशांत शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी/जी ने संगोष्ठी से जुड़े सम्पूर्ण तकनीकी कार्यों का निर्वहन किया। आयोजन समिति के अन्य सदस्यों से पंजीकरण, स्मारिका-संपादन, सामग्री प्रापण जैसे सभी कार्यों में सक्रिय योगदान प्राप्त हुआ। आयोजन समिति का विवरण अनुलग्नक-'क' पर प्रस्तुत है।

### 5.0 उद्घाटन समारोह

संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 10 जनवरी, 2023 को प्रातः 10:00 बजे प्रारंभ हुआ। तमिल ताई वालत्तु के पश्चात मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए डॉ. अवधेश मणि, संयोजक ने मुख्य अतिथि तथा बाहर से आए गणमान्य वक्ताओं तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। तत्पश्चात श्री एस.ए. मेश्राम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, जीएसओ ने अपना संबोधन दिया तथा संगोष्ठी की सफलता की कामना की। इसके पश्चात श्री के.आर. सेतुरामन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, इंगांपअके ने अपने संबोधन में, संगोष्ठी में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए यह आशा व्यक्त किया कि इससे केंद्र के कार्यालयी कार्यों में हिंदी के प्रयोग में और वृद्धि आएगी। इस अवसर पर डॉ.बी.के. नशीने, निदेशक,

ईएसजी एवं सह अध्यक्ष, राभाकास ने संगोष्ठी की रूप-रेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमारा दायित्व है कि हम अपने वैज्ञानिक उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएँ और आज विश्व हिंदी दिवस के मौके पर हमें अपनी उपलब्धियों को अपनी भाषा में लोगों के सामने रखने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।



डॉ. अवधेश मणि, संयोजक स्वागत संबोधन करते हुए



डॉ.बी.के. नशीने, निदेशक, ईएसजी, एवं सह अध्यक्ष, राभाकास ,  
इंगांपअर्के संबोधन देते हुए

केंद्र के निदेशक, डॉ. बी. वेंकटरामन ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में बताया कि हमारा विभाग परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी का विकास, कृषि, चिकित्सा, उद्योग और बुनियादी अनुसंधान के क्षेत्र में विकिरण के अनुप्रयोगों में संलग्न है। आगे उन्होंने कहा कि ज्ञान-विज्ञान को जनसाधारण के साथ तभी जोड़ा जा सकता है जब लोकभाषा में विज्ञान की बातों को उन तक पहुंचाया जाए। यह गर्व की बात है कि हमारे वैज्ञानिक अधिकारी/कर्मचारी राजभाषा हिन्दी में वैज्ञानिक व तकनीकी विषयों पर विचार-विमर्श करने के लिए व हिन्दी भाषा में अपने शोध-पत्र प्रस्तुत करने के लिए उत्साह से आगे आ रहे हैं। सभी वैज्ञानिकों का यह प्रयास होना चाहिए कि वे हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में निरंतर वैज्ञानिक साहित्य का सृजन करें और देश की सामान्य जनता के बीच सरल भाषा में वैज्ञानिक सूचनाएं पहुंचाएं, ताकि देश के लोगों, विशेषकर युवा वर्ग में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास को बढ़ावा मिले। उन्होंने सम्मेलन में भाग लेने के लिए और अपने ज्ञान को साझा करने के लिए सहमति देने हेतु सभी वरिष्ठ अतिथि वक्ताओं को तहे दिल से शुक्रिया अदा किया एवं सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए संगोष्ठी की सफलता की कामना की।



अध्यक्षीय संबोधन देते हुए निदेशक, इंगांपअर्के एवं अध्यक्ष, राभाकास, इंगांपअर्के

संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जी. के. डे, पूर्व निदेशक, पदार्थ वर्ग, बीएआरसी ने अपनी सहमति दी थी एवं संगोष्ठी में उपस्थित हुए। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओं, प्रतिभागियों एवं राभाकास समिति के सदस्यों का अभिवादन किया।



मुख्य अतिथि श्री एस.ए. भारद्वाज, 'समाज कल्याण एवं विकिरण' विषय पर प्लीनरी वार्ता देते हुए

अपने संबोधन में उन्होंने वैज्ञानिक जानकारियों को हिंदी भाषा में सहज शब्दों एवं सरल भाषा-शैली में अभिव्यक्त करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी के इस अवसर पर हमें अपने कार्यों में हिंदी के उपयोग के बारे में विचार करें। साथ ही उन्होंने निवेदन करते हुए कहा कि कार्यालय में आपसी व्यवहार में हिंदी बोलने के साथ-साथ ऑफिस के कार्यों में भी हिंदी का प्रयोग स्वेच्छा से करें। अंत में उन्होंने इस दो-दिवसीय संगोष्ठी के लिए सभी को शुभकामनाएँ देते हुए अपना वक्तव्य समाप्त किया।



मंच संचालन करते हुए श्री सुकांत सुमन, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी, हिंदी अनुभाग, इंगांपअर्के



मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता, प्रश्रेलि, हिंदी अनुभाग, इंगांपअर्के

मुख्य अतिथि के संबोधन के पश्चात्, संगोष्ठी में प्राप्त सभी आलेखों को शामिल करते हुए तैयार की गई सारांश पुस्तिका का विमोचन मंच पर उपस्थित गणमान्यों के द्वारा किया गया। इस सारांश पुस्तिका में संगोष्ठी में प्रस्तुत होने वाले कुल 74 आलेख-संक्षेप प्रकाशित किए गए। सारांश पुस्तिका में वर्ष 2022 में आयोजित हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी एवं हिंदी पखवाड़ा-2022 के आयोजन के संबंध में सचित्र रिपोर्ट भी प्रकाशित किया गया। पुस्तिका में कुल 126 पृष्ठ हैं जिसका संकलन, डिजाइन एवं संपादन राभाकास समिति, इंगांपअर्के के सदस्यों के द्वारा किया गया।



सारांश पुस्तिका का विमोचन करते हुए निदेशक एवं राभाकस समिति के सदस्यगण

इस दो दिवसीय संगोष्ठी को कुल 06 तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया था। आमंत्रित वक्ताओं के लिए 30 मिनट एवं सहयोगी प्रस्तुतीकरण हेतु 15 मिनट का समय आबंटित किया गया। प्रत्येक व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तरी के लिए समय दिया गया। इंगांपअर्के के नामित प्रतिभागियों के लिए साराभाई सभागार, होमी भाभा भवन में बैठने की व्यवस्था की गई थी, और इंटरनेट पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया था। अंत में श्री प्रभात कुमार शर्मा, उप निदेशक (राजभाषा) ने मुख्य अतिथि, बाहर से आए गणमान्य वक्ताओं तथा इंगांपअर्के के सभी सामान्य प्रतिभागियों एवं आयोजन समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ उद्घाटन सत्र का समापन किया गया।



धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री प्रभात कुमार शर्मा उप निदेशक (राजभाषा)

## 6.0 संगोष्ठी में प्रस्तुत वार्ताओं का विवरण

तकनीकी सत्र-1	तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत वार्ताओं और पोस्टर प्रस्तुतकर्ताओं का विवरण इस रिपोर्ट के अंत में संलग्न किया गया है।
पोस्टर सत्र	
तकनीकी सत्र-2	
तकनीकी सत्र-3	
तकनीकी सत्र-4	
तकनीकी सत्र-5	
तकनीकी सत्र-6	

## 6.1 प्रतिभागियों का ब्यौरा

क्र.सं	श्रेणी	कल्पाक्कम से	अन्य शहरों से	कुल वार्ताकार
I.	आमंत्रित वार्ता	01	12	13
II.	सहयोगी प्रस्तुतिकरण	05	09	14
III.	पोस्टर प्रस्तुतकर्ता	19	26	45
IV.	सामान्य प्रतिभागी	85	00	85
	<b>योग</b>			<b>157</b>



सभागार में उपस्थित वार्ताकार, प्रतिभागी एवं श्रोतागण

## 6.0 संगोष्ठी के तकनीकी सत्रों में प्रस्तुत वार्ताओं का विवरण

### 6.1 तकनीकी सत्र -1 (दिनांक 10-01-2022, मंगलवार, समय 11:00 - 13:00 बजे तक)

क्रसं.	प्रस्तुतकर्ता	विषय	कार्यालय
1	श्री कुलवंत सिंह	2050 तक कुल वैश्विक ऊर्जा, विद्युत और परमाणु ऊर्जा का आकलन	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
2	श्री संजय चौकसे	जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में कण त्वरको की भूमिका	त्वरक चुंबक प्रौद्योगिकी प्रभाग, आरआरकेट, इंदौर
3	श्री रणधीर सिंह	बैटरी स्टोकरेज- लिथियम के विकल्प	नीति आयोग, नई दिल्ली
4	श्रीमती शांति वसव राजू	जलवायु परिवर्तन की निगरानी में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

5	श्री हेमंत कुमार	राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के तहत भारत सरकार की ऊर्जा नीति	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
---	------------------	---	---

## 6.2 तकनीकी सत्र -2 (दिनांक 10-01-2022, सोमवार, समय 14:00 - 17:30 बजे तक)

क्र. सं	प्रस्तुतकर्ता	विषय	कार्यालय
1	श्री शुभम नाटकर	भारत का पहला मॉड्यूलर रिएक्टर	जवाहरलाल नेहरू एल्यूमिनियम अनुसंधान विकास एवं अभिकल्प केंद्र
2	श्री हितेंद्र कुमार यादव	ई-वाहन प्रौद्योगिकी	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र सुविधा
3	श्री संजय कुमार	विकिरण के औद्योगिक अनुप्रयोग	नरोरा परमाणु बिजली घर
4	श्री आनंद विसाणी	सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए पर्यावरण के अनुकूल प्लाज्मा प्रौद्योगिकियां	प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर
5	श्रीमती सृष्टि श्रीवास्तव	पूर्वी उत्तर प्रदेश के सतत विकास के लिए परमाणु ऊर्जा और इसके अनुप्रयोग	विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड, दिल्ली
6	श्री धर्मेन्द्र सिंह	बायोमास से बायो-हाइड्रोजन का उत्पादन	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र
7	श्री ए. नागेश	संरचनात्मक सामग्री में चक्रीय विरूपण और क्षति	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
8	श्री जम्मू रवि	नाइट्रिक अम्ल माध्यम से त्रिसंयोजी f-आयनों के पृथक्करण के लिए एकचक्र विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
9	श्री चौधरी जगदीश्वर राव	परमाणु ऊर्जा : समय की माँग	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
10	श्री आकर्ष त्रिपाठी	जलवायु एवं नाभिकीय ऊर्जा	इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड, ओडिशा
11	श्री विष्णुवर्धन	परमाणु रिएक्टरों के प्रकार	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
12	श्री सौरभ कुमार सिंह	भारत में स्वच्छ ऊर्जा : यूसिआईल का योगदान	यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
13	श्री टी नन्द कुमार	नरम इस्पात पर कल्पककम के पानी में पर्यावरण के अनुकूल सोडियम कैप्रिलेट संक्षारण अवरोधक का प्रभाव	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
14	श्री सी. थिनहरन	विभिन्न संक्षारक मीडिया में संशोधित 9Cr-1Mo स्टील का विद्युतरसायनिक जंग और सतह लक्षण वर्णन	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
15	श्री आदर्श शर्मा	ई-वाहन प्रौद्योगिकी- नया दौर, नए वाहन	न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड, काकरापार
16	श्री बालापरंधामा राजू	उच्च निष्क्रिय वातावरण दबाव पर एसएस 316 एल एंड प्लग के साथ पतलीदीवार वाली डी9 क्लैड ट्यूब की पल्सड लेजर बीम वेल्डिंग	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
17	श्री भौमिक सुधिर	जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में नाभिकीय एवं अन्य प्रगत प्रौद्योगिकियों की भूमिका	क्रय एवं भंडार निदेशालय



18	श्री अनुज नोगजा	ई - वाहन प्रौद्योगिकी	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
19	श्री रोहित महलोनिया	भारतीय एनपीपीएस में उपकरण योग्यता	एनपीसीआईएल
20	श्री राजीव शर्मा	नाभिकीय संलयन- एक नई दिशा भविष्य ऊर्जा स्रोत की ओर अतिसुचालक चुम्बक टोकामैक संलयन मशीन	प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर
21	श्रीमती सौम्या एम	जलवायु परिवर्तन में परमाणु और अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियों की भूमिका नियंत्रण	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
22	श्रीमती माधवी	जलवायु पर इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी का उपयोग	एलआईसी
23	श्रीमती आभा माहेश्वरी	इटर के लिए भारतीय प्लाज्मा गुणवत्ता मापन तंत्र (ओवरव्यू) का अवलोकन (प्लाज्मा डायग्नोस्टिक्स)	प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान, गांधीनगर
24	श्री अविनाश कुमार	कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण हेतु नवीन प्रौद्योगिकी विषय के संबंध में भारत में AUSC टेक्नोलॉजी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
25	डॉ. आशीष मिश्र	झारखंड, भारत, के सिंहभूम क्षेत्र के तांबा खनन क्षेत्र में ग्रीष्म और शरद ऋतु में आउटडोर 222Rn सांद्रता का आकलन।	परमाणु ऊर्जा शिक्षा संस्था, मुंबई
26	श्री समीर कुमार पाल	नवीकरणीय स्रोतों का विकास - सौर, पवन, ज्वारीय, भूतापीय ऊर्जा उत्पादन में नए अनुसंधान, प्रौद्योगिकियां और भविष्य की संभावनाएं	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
27	श्री जोगेश्वर राव	आयोडीन ट्रेपिंग व्यवस्था की प्रयोगशाला पैमाने की सुविधा का विकास।	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
28	श्री दीपक कुमार बेहेरा	ई-वाहन प्रौद्योगिकी	अंतरिक्ष विभाग
29	मोसोहैल आलम .	ऊर्जा खपत पर ऊष्मीय ओवन दक्षता के प्रभाव का सीएफडी विश्लेषण	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
30	डॉ शेखर कुमार .	हाइड्रोजन उत्पादन के लिए समवर्ती प्रौद्योगिकियों का अवलोकन	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
31	श्री तालिब अंसारी	सौर फोटोवोल्टिक सिस्टम के प्रदर्शन पर पर्यावरणीय प्रभाव	अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
32	श्री शुभम कुमार	HAP सॉफ्टवेयर का उपयोग कर कम्पोजिट CPC-30 आर की थर्मल चालकता का विश्लेषण	अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
33	श्री सुभाष चंद्र	नाभिकीय ईंधन के पुनर्संसाधन में उपयुक्त विलायक पात्रों के लिए उन्नत रिसाव अवरोधी आच्छादक तंत्र का प्रारूपण	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
34	मो० सोनू	एचसीसीआई इंजन में सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण और समाधान	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
35	सुश्री मुस्कान अहमद	"सतत विकास के परिवर्तन" की एक व्यापक वीथिका	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
36	श्री अभय राउल	भूतापीय ऊर्जा उत्पादन	अंतरिक्ष विभाग
37	श्री तान्ना चरणसाई	एचसीसीआई इंजन में सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण और समाधान।	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
38	चारू शर्मा	गामा विकिरण का 8051 माइक्रोकंट्रोलर के व्यवहार पर प्रभाव	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
39	श्री मनीष चाँद	न्यूट्रॉन सक्रियण विश्लेषण का उपयोग करके स्ट्रॉशियम	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र,

		प्रतिस्तापित सोडियम आयरन टाइटेनेट नमूनों में तत्वों का मापन	कल्पाक्कम
40	डॉ. स्मिता कुमारी	भारत में ऊर्जा सुरक्षा हेतु सतत जैव ईंधन की संभावनाएं एवं चुनौतियां	वाणिज्य, कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, पटना
41	मो. सोहैल आलम	ऊर्जा खपत पर ऊष्मीय ओवन दक्षता के प्रभाव का सीएफडी विश्लेषण	जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली
42	श्री योगेशकुमार	पाइरोकेमिकल पुनर्संसाधन अनुप्रयोग के लिए ऑक्सीकरण और संक्षारण प्रतिरोध के लिए कोटिंग्स का विकास	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
43	श्री गौरव कराडिया	सैंपलिंग स्टेशन	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
44	श्री जे.एस. ब्रह्माजी राव	विश्लेषण के लिए गामा स्पेक्ट्रा फ़ाइल प्रारूप को परिवर्तित करने के लिए इन-हाउस जी.यू.आई. प्रोग्राम का विकास	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
45	श्री अंकितशर्मा	रेअर अर्थर्सन एलीमेंटस: स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की कुंजी'	आईआरईएल लिमिटेड (इंडिया)
46	श्री एस प्रेम कुमार	इंगांपअर्के की प्रशिक्षु पेट्रोल प्रबंधन प्रणाली	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
47	मो. शरीफ खान	जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में नाभिकीय प्रौद्योगिकी की भूमिका	एनपीसीआईएल, रा.रा.साईट -3&4 अणुशक्ति, रावतभाटा

### 6.3 तकनीकी सत्र -2 (दिनांक 10-01-2023, मंगलवार, समय 10:30 - 13:20 बजे तक)

क्र.सं	प्रस्तुतकर्ता	विषय	कार्यालय
1	श्री शेषनाथ सिंह	जलवायु परिवर्तन के नियंत्रण में सॉफ्टवेयर की भूमिका	त्वरक चुंबक प्रौद्योगिकी प्रभाग
2	श्री एस.के. त्रिपाठी	सोडियम पाइपिंग हेतु वृहद् व्यास इनकॉनल बैलोज के निर्माण के दौरान व्यापक गुणवत्ता आश्वासन (क्यूए) और गैर विनाशकारी परीक्षण (एनडीई) अभ्यासों का विकास।	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र
3	श्री अमित कुलश्रेष्ठ	प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर हेतु मॉक्स ईंधन पिन का संविचन	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

### 6.4 तकनीकी सत्र -3 (दिनांक 11-01-2022, मंगलवार, समय 14:00 - 16:30 बजे तक)

क्र.सं	प्रस्तुतकर्ता	विषय	कार्यालय
1	श्री रोहित शुक्ला	विद्युत स्पंदित शक्ति और उसके अनुप्रयोग	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, वाईजेग
2	श्री सीमांचल रथ	हरित प्रौद्योगिकी में रेअर अर्थ तत्वों का महत्व	आईआरईएल लिमिटेड (इंडिया)
3	श्रीमती ऋतु अग्रवाल	जलवायु नियंत्रण हेतु 700 मेगावाट दाबित भारी पानी रिएक्टर की ईंधन प्रहस्तन प्रणाली की मुख्य विशेषताएं एवं उपयोगिता	एनपीसीआईएल,

### 6.4 तकनीकी सत्र -4 (दिनांक 11-01-2022, मंगलवार, समय 14:00 - 16:30 बजे तक)

क्रसं	प्रस्तुतकर्ता	विषय	कार्यालय
1	श्री पी. मुखोपाध्याय	सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए मानसून मिशन के तहत उच्च रेजोल्यूशन पूर्वानुमान का विकास	भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान, पुणे
2	श्री धीरज जैन	नेट कार्बन-शून्य लक्ष्य हेतु नाभिकीय ऊर्जा विस्तार: आत्मनिर्भर विकसित भारत की आवश्यकता	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
3	श्रीमती रम्या डी. तेजा	ई- वाहन प्रौद्योगिकी	ईसीआईएल

#### 6.4 तकनीकी सत्र -5 (दिनांक 11-01-2022, मंगलवार, समय 14:00 - 16:30 बजे तक)

क्रसं	प्रस्तुतकर्ता	विषय	कार्यालय
1	श्री मनोज कुमार	पी.एच.डब्ल्यू.आर. के भुक्तशेष नाभिकीय ईंधन का पुनर्प्रयोग	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र सुविधा, कल्पाक्कम
2	श्री अनिल कुमार सिंह	जलवायु परिवर्तन नियंत्रण में लेजर प्रौद्योगिकी की भूमिका	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई
3	श्री एम.एल. परिहार	कार्बन उत्सर्जन नियंत्रण हेतु स्वदेशी नवीन प्रौद्योगिकी	नाभिकीय ईंधन समिथ्र, रावतभाटा
4	श्रीमती राजश्री बोथले	भारत में जलवायु परिवर्तन अध्ययन के लिए अंतरिक्ष अनुप्रयोग में जलवायु परिवर्तन अध्ययन के लिए अंतरिक्ष अनुप्रयोग	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
5	श्री अजय केसरी	रैखिक एकाधिक प्रतिगमन का उपयोग करके एकाधिक विश्लेषणों की मात्रा	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम

#### 6.4 तकनीकी सत्र -6 (दिनांक 11-01-2022, मंगलवार, समय 14:00 - 16:30 बजे तक)

क्रसं	प्रस्तुतकर्ता	विषय	कार्यालय
1	श्री एस.के. पाठक	नाभिकीय ईंधन समिथ्र में "पी एच डब्ल्यू आर" ईंधन का निर्माण उत्कृष्टता की -ओर यात्रा	नाभिकीय ईंधन समिथ्र, हैदराबाद
2	श्री अनुराग मिश्र	कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का प्लाज्मा प्रौद्योगिकी द्वारा न्यूनीकरणकुछ रोचक तथ्य :	वीईसीसी, कोलकाता
3	श्री अमित कुमार चौहान	विशिष्ट सोडियम कूलड रिएक्टर के लिए ग्रिड प्लेट का थर्मल मिक्सिंग विश्लेषण	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
4	श्रीमती मोजाहिदा मसरूर	उन्नत परमाणु रिएक्टरों की अवधारणा और सुरक्षा पहलू	एनपीसीआईएल
5	श्रीमती जया सक्सेना	परमाणु ऊर्जा के क्षेत्रमें सुदूर संवेदन का योगदान	अंतरिक्ष विभाग
6	श्री गौतम आनंद	सोडियम आयन बैटरी-पर्यावरण प्रिय प्रौद्योगिकी	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र, कल्पाक्कम
7	श्री कुलदीप कुमार यादव	जलवायु परिवर्तन और 'नेट जीरो' भविष्य के साथ	ईसीआईएल

		भारत की ऊर्जा नीति का मानचित्रण: नाभिकीय ऊर्जा की भूमिका	
8	श्री प्रशांत प्रकाश अंगरख	जलवायु परिवर्तन से जंग - लायडार एवं जीआईएस के संग	अंतरिक्ष विभाग

## 7.0 समापन सत्र

संगोष्ठी का समापन सत्र दिनांक 11 जनवरी, 2023 को दोपहर 16:30 बजे प्रारंभ हुआ। आमंत्रित वक्ताओं एवं संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की काफी सराहना की।



संगोष्ठी के समापन के अवसर पर सत्राध्यक्षों, आयोजकों और कुछ प्रतिभागियों का सामूहिक फोटो